द आर्सेंडर

पत्रिका
(इलेक्ट्रॉनिकी बितरण हेतु)

जुलाई–अगस्त 2021

सुर्खियां

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
ओडिशा राज्य केंद्र
यूनिट - IV, सचिवालय मार्ग,
भुवनेश्वर - 751001
दूरभाष: +91 - 674 - 25408438
www.nic.in
ई-मेल: sio-ori@nic.in

"I have never met a man so ignorant that I couldn't learn something from him"

– Galileo Galilei

उड़ीसा उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश ने वर्चुअल कोर्ट और ई-सेवाओं का शुभारंभ किया

डॉ. न्यायमूर्ति एस. मुरलीधर, माननीय मुख्य न्यायाधीश, उड़ीसा उच्च न्यायालय ने उड़ीसा के उच्च न्यायालय की कई ई-सेवाएं जैसे उच्च न्यायालय मोबाइल ऐप, वर्चुअल कोर्ट सिस्टम (https://vcourts.gov.in/virtualcourt/) कटक-भुवनेश्वर आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में यातायात विवादों के ऑनलाइन निवारण के लिए, ओडिशा के जिला और अधीनस्थ न्यायालयों के समक्ष मामलों में जुर्माने के ऑनलाइन भुगतान की प्रणाली (https://pay.ecourts.gov.in/epay) और प्रारंभ वादियों और अधिवक्ताओं के लाभ के लिए दिनांक 02/08/2021 को माननीय मुख्य न्यायाधीश के न्यायालय में मामले की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की |

उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों, राज्य के जिला न्यायाधीशों, महाधिवक्ता, ओडिशा, डीडीजी और एसआईओ, ओडिशा, परिवहन आयुक्त, पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त, कटक और भुवनेश्वर और के सदस्यों की आभासी सभा को संबोधित करते हुए उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन, माननीय मुख्य न्यायाधीश ने नई सेवाओं के लाभों पर जोर दिया और माननीय ई-समिति, भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पहल और इन आईटी सेवाओं को लागू करने में एनआईसी द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। आईटी और एआई समिति के अध्यक्ष माननीय श्री न्यायमूर्ति बिस्वजीत मोहंती और माननीय श्री न्यायमूर्ति शत्रुघ्न पुजारी ने इन सेवाओं के विभिन्न लाभों पर प्रकाश डाला।

श्रीमती कबिता रॉय दास, डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी ने इस अवसर पर संबोधित किया और प्रत्येक सेवाओं की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और इन सेवाओं के लिए प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने में एनआईसी की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

माननीय मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ अन्य आमंत्रित अतिथियों ने सेवाएं प्रदान करने में एनआईसी के प्रयासों की सराहना की।

माननीय मुख्यमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र की 9 ऑनलाइन सेवाओं का शुभारंभ किया

ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने माननीय ऊर्जा मंत्री, श्री दिव्य शंकर मिश्रा, मुख्य सचिव की उपस्थिति में, ओडिशा सरकार की 5T पहल के हिस्से के रूप में 6 अगस्त 2021 को ऊर्जा विभाग की नौ ऑनलाइन सेवाओं का शुभारंभ किया। श्री सुरेश चंद्र महापात्रा, आईएएस, विकास आयुक्त, श्री प्रदीप कुमार जेना, आईएएस, प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग, श्री निकुंजा बिहारी ढाल, आईएएस, आईटी सचिव, श्री मनोज कुमार मिश्रा, आईआरटीएस, ईआईसी (बिजली), श्री संतोष कुमार दास, और डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी ओडिशा राज्य केंद्र, श्रीमती कबिता रॉय दास इस कार्यक्रम में उपस्थित थे | कार्यक्रम का संचालन 5टी सचिव, श्री वी.के. पांडियन, आईएएस के द्वारा किया गया।

सुशासन की पहचान के रूप में, ओडिशा सरकार ने समयबद्ध तरीके से महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए समय-समय पर कदम उठाए हैं। ओडिशा लोक सेवाओं का अधिकार (ओआरटीपीएस) अधिनियम के तहत दस सेवाओं को अधिसूचित किया गया है। ईआईसी (बिजली) के कार्यालय से संबंधित "ऊर्जा विभाग" के तहत अधिसूचना संख्या 12974 दिनांक 03.06.2020 के तहत राज्य के नागरिकों के लिए 10 सेवाओं में से 9 सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। ड्राइंग अनुमोदन, सामान्य निरीक्षण, आपातकालीन निरीक्षण, माप उपकरणों और अन्य वस्तुओं का परीक्षण और अंशांकन, वर्कमैन परमिट, पर्यवेक्षक लाइसेंस (एमवी / एचटी) यानी पर्यवेक्षक प्रमाणपत्र योग्यता, ठेकेदार लाइसेंस, अस्थायी परियोजना लाइसेंस और चार्टर्ड विद्युत सुरक्षा इंजीनियर (सीईएसई) प्रमाण पत्र इत्यादि उपरोक्त सभी ऑनलाइन सेवाओं का लाभ वेबसाइट https://edistrict.odisha.gov.in और https://eicelectricityodisha.nic.in पर उपलब्ध है। 1 अगस्त, 2021 को 16,429 नए आवेदनों को मंजूरी दी गई है और सेवाएं दी गई हैं।

ओड़ीशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नविन पटनायक के द्वारा ऊर्जा क्षेत्र की 9 ऑनलाइन सेवाओं का शुभारंभ

ओडिशा के अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए शुरू हुआ ई-व्याख्यान

डॉ. अरुण साहू, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार ने कृषि भवन के सम्मेलन कक्ष में 8 जुलाई, 2021 को स्नातक छात्रों के लिए ई-व्याख्यान पोर्टल (https://vtputkal.odisha.gov.in) लॉन्च किया है। पोर्टल को कमांड कंट्रोल सेंटर, एनआईसी, नई दिल्ली के वीओडी सर्वर पर होस्ट किया गया है। "एक वीओडी सर्वर (वीडियो-ऑन-डिमांड सर्वर) एक विशेष सर्वर है जो इंटरनेट पर वीडियो सामग्री वितरित करता है। एचएलएस (एचटीटीपी लाइव स्ट्रीमिंग) एक मीडिया स्ट्रीमिंग प्रोटोकॉल है जिसका उपयोग दर्शकों को ऑनलाइन दृश्य और ऑडियो मीडिया देने के लिए किया जाता है। OTT (ओवर-द-टॉप) वितरण मॉडल को संदर्भित करता है और VOD, दूसरी ओर, खपत मॉडल को संदर्भित करता है।

साइट को मोबाइल फर्स्ट अप्रोच के साथ डिजाइन किया गया है। ई-व्याख्यान खोज बॉक्स, नवीनतम वीडियो, पाठ्यक्रम, संसाधन और फीडबैक वेबसाइट पर प्रमुख रूप से प्रदर्शित किए जाते हैं ताकि छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों

डॉ. सूर्य नारायण पात्र, माननीय वाचस्पति महोदय ने NeVA को लॉन्च किया

की सेवा की जा सके।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के तहत, वर्चुअल ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट (VTP) की शुरुआत वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में, ग्यारह विषयों यानी भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, राजनीतिक के पहले और दूसरे सेमेस्टर के कोर पेपर के लिए ई-व्याख्यान। वेब पोर्टल में विज्ञान, उड़िया, इतिहास, अंग्रेजी, मनोविज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र को अपलोड किया गया है। इन 11 विषयों के शेष सेमेस्टर के अन्य कोर पेपर नियत समय में अपलोड किए जाएंगे।

अब तक 40 हजार उपयोगकर्ता साइट पर जा चुके हैं और 15 हजार छात्रों ने ई-व्याख्यान डाउनलोड किए हैं। भारत के विभिन्न राज्यों के साथ, साइट को दुनिया के विभिन्न कोण, यूएसए, ऑस्ट्रेलिया सिंगापुर और अन्य देशों से भी हिट मिलती है।

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

एनआईसी, भुवनेश्वर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा नियमों का सुचारु रूप से अनुपालन करते हुए वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही कार्यशाला का आयोजन दिनांक 28/07/2021 को राज्य सूचना -विज्ञान अधिकारी (SIO) श्रीमती कविता रॉय दास की अध्यक्षता में किया गया ।

इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि हिंदी शिक्षण योजना, भुवनेश्वर की वरिष्ठ प्रध्यापिका श्रीमती कवितांजली मोहंती को "कार्यालयीन कामकाज में सहज और सरल हिंदी का प्रयोग" पर व्यख्यान हेतु आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में SIO महोदया ने राजभाषा हिंदी पर ज़ोर देते हुए कहा कि जैसे अन्य सरकारी नीति नियमों का अनुपालन हम करते हैं, वैसे ही पूरी श्रद्धा और लगन के साथ राजभाषा हिंदी को अपनाना चाहिए तथा रोज़मर्रा इसे उपयोग करना चाहिए। मुख्य अतिथि महोदया ने अपने वक्तव्य में भारत के सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए राजभाषा हिंदी की महत्ता पर ज़ोर देते हुए कहा कि हिंदी सिर्फ राजभाषा ही नहीं वल्कि एक समृद्ध साहित्य की भाषा है, इसके साथ साथ हिंदी पूरे भारत में संपर्क भाषा का काम भी बखूबी निभा रही है। इसलिए कार्यालयीन कामकाज सरल, सहज तथा संक्षेप में होना चाहिए और शब्द जहां पर दुरूह लगे तो अंग्रेजी को देवनागरी हिंदी में लिखना ही उचित माना जाए । आगे मुख्य अतिथि महोदया ने राजभाषा हिंदी से संबन्धित संविधान में उल्लिखित अनुच्छेदों (343-351) की सम्यक जानकारी दी।

बरीस्ठ तकनीकी निदेशक श्री सुकान्त कुमार महाकुल ने उपस्थित प्रतिभागियों को यूनिकोड (Unicode) के माध्यम से कैसे आसानी से हिंदी में काम किया जा सकता है, इस पर विस्तार से समझाया।